हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बुधवार
30 नवंबर 2022, मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, विक्रम संवत 2079, बरेली

सिजरा निकाल लेते हैं, लोग फिर हालचाल लेते हैं...

बरेली, संवाददाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार को कवि सम्मेलन साहित्य सरिता का आयोजन हुआ। उमेश त्रिगुणायत ने पहले सिजरा निकाल लेते हैं, लोग फिर हालचाल लेते हैं, उनके झांसे में आ गया जो भी, उसके खाते खंगाल लेते हैं।

हिमांशु श्रोत्रिय ने क्या रक्षा की कोई आशा, हो सकती बटमारों से सुनाया। पीके दीवाना ने सुनाया, अबे ओ चीन, तू बड़ी -बड़ी बातें मत बोल, बोलने से पहले अपनी छोटी- छोटी आंखें पूरी तरह से तो खोल सुनाया। कवियत्री दीपा विरमानी ने जो वर राघव बने होंगे, हृदय हर्षित हुआ होगा खिले होंगे, पुष्प मन में मेल नैनों का हुआ होगा से भगवान श्रीराम और माता सीता का प्रसंग सुनाया। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के आर्थोपेडिक डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. संजय गुप्ता ने मूक स्वरों से मुझे पुकारो, मैं भावों को पढ़ लूंगा, सुनाकर वाहवाही लूटी। यहां एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चैयरमेन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. आशीष कुमार, डा. रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।

एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार को कवि सम्मेलन साहित्य सरिता का आयोजन हुआ।